

**भारोपीय वि.** (देश.) भारतीय तथा यूरोपीय वस्तुओं, भाषाओं, बोलियों अथवा अन्य विधाओं आदि का मिश्रित रूप या साझा रूप जिनका संबंध भारत तथा यूरोप दोनों से हो indo-european

**भार्गव वि.** (तत्.) 1. महर्षि भृगु के वंश अथवा गोत्र से, भृगुवंशी, भृगु संबंधी, भृगु का 2. शुक्राचार्य 3. मार्कंडेय 4. परशुराम 5. शिव 6. धनुर्धर 7. हाथी 8. ज्योतिषी 9. कुम्हार 10. ब्राह्मणों का एक वर्ग।

**भार्गव क्षेत्र पुं.** (तत्.) केरल का प्राचीन नाम।

**भार्गवेश पुं.** (तत्.) 1. भार्गवों का स्वामी 2. भार्गवों में श्रेष्ठ जैसे- परशुराम आदि।

**भार्या स्त्री** (तत्.) धर्म पत्नी, पत्नी।

**भार्याजित पुं.** (तत्.) पत्नी से प्रभावित पति, जोरू का गुलाम।

**भाल पुं.** (तत्.) ललाट, मस्तक, माथा, भाल का तिलक, दो भृकुटियों के बीच में लगाया गया तिलक, ऊपर मस्तक तक जाने वाला तिलक।

**भालचंद्र पुं.** (तत्.) 1. जिसके मस्तक पर चंद्रकला विराजित है, शिव, महादेव 2. गणेश का विशेषण।

**भालना स.क्रि.** (देश.) 1. अच्छी तरह देखना 2. तलाश करना, ढूँढना मुहा. देख-भाल करना- देखना, भालना, जाँच-पड़ताल करना, निगरानी करना।

**भालनेत्र पुं.** (तत्.) जिसकी भृकुटियों के मध्य नेत्र हो अर्थात् शिव, महादेव।

**भाललोचन पुं.** (तत्.) भालनेत्र, शिव, महादेव।

**भाला पुं.** (तद्.) लकड़ी अथवा फाइबर की 5-6 फुट लंबी डंडी, जिसकी नोक बहुत तेज होती है और किसी धातु से बनी होती है, बरछा टि. युधिष्ठिर का आयुध भाला ही था, वर्तमान में खेल-कूद के क्षेत्र में 'भाला फेंक' एक मनोरंजक प्रतियोगिता है, जो ओलंपिक खेलों में भी सम्मिलित है।

**भाली स्त्री.** (तद्.) छोटी बरछी, शूल, काँटा।

**भालुक पुं.** (तत्.) हिंसक पशु, रीछ, भालू।

**भालू पुं.** (तद्.) हिंसक पशु, रीछ जाति का एक जीव।

**भावता स्त्री.** (तद्.) होनहार, जिस के घटित होने के लिए कोई प्रयत्न न किया जाए, भावी।

**भाव पुं.** (तत्.) 1. विद्यमानता, अस्तित्व, सत्ता 2. मन की बात, विचार, चित्त-वृत्ति 3. आशय, (कविता का भावार्थ) 4. संबंधों की परिभाषा जैसे- सखा भाव, सेवक-स्वामी भाव आदि 5. (बाजार के संदर्भ में) मूल्य, कीमत 'भाव-तोल करना' अर्थात् सौदा बिठाना, मूल्य कम कराना।

**भावक वि.** (तत्.) 1. उत्प्रेक्षा, कल्पना करने वाला 2. उदात्त और सुंदर भावनाओं के प्रति रुचि रखने वाला, काव्य परक रुचि रखने वाला 3. मनोभावों को प्रकट करने वाला।

**भावगति स्त्री.** (तत्.) मन में उत्पन्न होने वाले संकल्प, इरादा, इच्छा, विचार।

**भावगम्य वि.** (तत्.) 1. मन द्वारा जाना जाने वाला (भाव), इसे बुद्धि द्वारा नहीं जाना जाता है, अनुभूत, अनुभवगत 2. भक्ति भाव, आराध्य के प्रति श्रद्धा, प्रेम, सख्य आदि भावों के द्वारा प्राप्य।

**भावग्राह्य वि.** (तत्.) 1. भाव को ग्रहण करने वाला, तात्पर्य समझने वाला टि. भावग्राह्य व्यक्ति तात्पर्य समझ कर तद् अनुकूल अनुक्रिया करते हैं 2. भावना द्वारा ग्रहण करने योग्य।

**भावज स्त्री.** (देश.) भाई की पत्नी टि. परंपरा से बड़े भाई की पत्नी को ही भावज, भाभी अथवा भौजाई कहा करते थे, वर्तमान में छोटे भाई की पत्नी के लिए भी ये शब्द, कभी-कभी प्रयुक्त होते हैं।

**भावताव पुं.** (देश.) सौदा तय करने का काम, भाव-तोल, कीमत ठहराना, मूल्य कम कराना।

**भावन वि.** (देश.) मनभावित, अच्छा लगने वाला, मन को हर्षित करने वाला, आनंद प्रदान करने वाला।

**भावना स्त्री.** (तत्.) 1. मन का विचार, ज्ञान और इच्छा से भिन्न मानव-चेतना का तीसरा कार्य, जिसका संबंध हृदय से होता है, चेतना और मस्तिष्क से नहीं 2. चित्त का एक संस्कार जो